प्रस्तावित भवन हेतु अपील...

एक बार वंदे जो कोई ताहि नरक पशुगति नहीं होई

ऐसे अनादि-निधन सिद्ध क्षेत्र परमेष्ठियों की निर्वाण भूमि श्री सम्मेद शिखर में भव्य जिनालय एवं बुन्देलखण्ड भवन के निर्माण की योजना प्रस्तावित है। इस हेतु लगभग 25000 वर्गफुट जमीन क्रय कर बाउंड्रीवाल का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। सर्वप्रथम जिन महानुभावों ने हमें प्रस्तावित योजना में अपना आर्थिक सहयोग प्रदान किया हम उनके हृदय से आभारी हैं।

कार्य को गति देने हेतु समिति ने निर्णय लिया है कि ग्यारह हजार के सदस्य बनाए जाकर कार्य प्रारंभ किया जाए। हम आपसे आग्रह करते हैं कि ऐसे सिद्ध क्षेत्र में अपनी चंचला लक्ष्मी का उपयोग कर अक्षय पुण्य अर्जन कर अपने जीवन को सफल बनाएँ। वर्तमान में कई महानुभावों ने हमें अपनी स्वीकृति सदस्यता प्रदान की है, हम उनके भी आभारी हैं/साथ ही, आपके सहयोग के आकांक्षी हैं।

आपका दिया दान युगों-युगों तक अनेक भव्य आत्माओं के कल्याण में सहायक होगा। कृपया मुक्त हस्त से दान दें।

संपर्क सूत्र-

अध्यक्ष	कोषाध्यक्ष	महामंत्री
ऋषभ कुमार चंदेरिया	सन्तोष कुमार जैन 'बंटरी'	देवेन्द्र लुहारी
9425174420	9425890921	9425170865
संयोजक	सहसंयोजक	सहसंयोजक
कमल चौधरी	लालचंद शास्त्री	प्रेमचंद बरेठी
9425171674	8989444230	9827801348

9425092365, 9981015343, 9329404333, 9827006337

बुंदेलखण्ड भवन

प्रधान कार्यालय-

द्वितीय तल, तीर्थंकर परिसर, पं. पन्नालाल जैन साहित्याचार्य मार्ग
नमकमंडी, कटरा बाजार, सागर (म.प्र.) फोन-07582-243101

Arihant Offset, Sagar 9424437632

।। श्री पार्श्वनाथाय नमः ।।

श्री शाश्वत तीर्थक्षेत्रराज श्री 1008 सम्मेद शिखर जी (मधुवन) में

भव्य जिनालय एवं बुंदेलखण्ड भवन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह

आमंत्रण

दिनांक - गुरुवार, 25 फरवरी 2016

जिन मंदिर एवं भवन का शिलान्यास

प्रतिष्ठाचार्य - बा.ब्र. जयनिशांत जी, टीकमगढ़, पं. सनत कुमार विनोद कुमार रजवाँस, पं. उदयचंद जी शास्त्री, सागर के निर्देशन में सम्पन्न होगा।

प्रति,
सम्माननीय श्री _____
_____
_____

आदरणीय महानुभाव,

सादर जय जिनेन्द्र,

बड़े हर्ष के साथ सूचित किया जाता है कि शाश्वत तीर्थक्षेत्र सम्मेद शिखरजी में एक भव्य जिनालय एवं बुन्देलखण्ड भवन लगभग 25000 वर्गफुट में बनना प्रस्तावित है। कृपया सभी लोग इस विशाल शिलान्यास समारोह में अपने परिवार सहित पहुँचकर शिला स्थापित करें और अपने कर्मों की निर्जरा करते हुए क्षेत्रराज की वंदना कर दोहरा लाभ प्राप्त करें।

हमारी कार्य योजना-

1. भव्य जिन मंदिर
2. पूर्ण सुविधायुक्त यात्री निवास
   - ए.सी. रूम
   - एयर कूल्ड रूम
   - सामान्य रूम
   - हाल
3. संत निवास
4. भोजनालय
5. वृद्धाश्रम/त्यागी
6. जनरेटर रूम
7. कर्मचारी आवास
8. वाहन सुविधा

आदरणीय महानुभाव,

सम्मेदशिखर जी की पावन धरा का हर कण पूज्यनीय वंदनीय है, कृपया इस सामाजिक उपक्रम में दोहरा लाभ प्राप्त कर पुण्य अर्जित करें इस पुनीत कार्य में सदस्यता प्राप्त करने वालों को कमेटी द्वारा समय-समय पर सुविधाएं दी जायेंगी, इस भवन निर्माण में सदस्य संख्या सीमिति है। कृपया पहले आएँ और पहले पाएं को चरितार्थ करते हुए जीवनकाल को धन्य बनाएँ।

1. परम शिरोमणी सदस्य - 1,01,000/-

सदस्यता के अतिरिक्त 15 बार 7 दिन आपको परिवार सहित रुकने की नि:शुल्क सुविधा प्रदान की जावेगी।

जो समिति में विशेष सलाहकार के रूप में स्थायी रहेंगे।

2. शिरोमणी सदस्य - 51,000/-

सदस्यता के अतिरिक्त 10 बार 7 दिन आपको परिवार सहित रुकने की नि:शुल्क सुविधा प्रदान की जावेगी।

जो समिति में सलाहकार के रूप में स्थायी रहेंगे।

3. विशिष्ट सदस्य - 21,000/-

सदस्यता के अतिरिक्त 5 बार 5 दिन आपको परिवार सहित रुकने की नि:शुल्क सुविधा प्रदान की जावेगी।

जो समिति में उपसलाहकार के रूप में स्थायी रहेंगे।

4. सामान्य सदस्य - 11,000/-

सदस्यता के अतिरिक्त 3 बार 4 दिन आपको परिवार सहित रुकने की नि:शुल्क सुविधा प्रदान की जावेगी।

जो समिति की साधारण सभा के स्थायी सदस्य रहेंगे।

उक्त श्रेणी में दान देने वाले महानुभावों को भव्य जिनमंदिर के भूमिपूजन एवं शिलान्यास के समय शिला स्थापित करने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

नोट- त्रैमासिक पत्रिका में परम शिरोमणी सदस्य, शिरोमणी सदस्य, विशिष्ट सदस्य एवं सामान्य सदस्य की एक बार फोटो राशि प्राप्ति के उपरांत प्रकाशित की जावेगी।

सहयोग राशि चैक, ड्राफ्ट बुंदेलखण्ड भवन के नाम से बनवाकर या नगद राशि आप सीधे

बैंक ऑफ इंडिया, सागर के

खाता क्रं. 942010110000685 IFS Code - BKID0009420

में जमा कर प्रधान कार्यालय को सूचित अवश्य करें।